समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

ऑपरेशन सिंदूर के पीसी मे विराट कोहली का जिक्र; डीजीएमओ ने पाकिस्तान का नाम लेकर कहा, 'वे कितनी भी कोशिश कर ले...'

Publisher

Published on 12 May 2025

सेना ने आज एक बार फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पाकिस्तान का चेहरा उजागर किया और भारत द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी दी। इस बीच डीजीएमओ लेफ्टिनेटं जनरल राजीव घई ने विराट कोहली का भी जिक्र किया।

सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी देने के लिए आज एक और प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने इस अवसर पर कहा कि पाकिस्तान के लिए भारत की सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाना असंभव है। यह कहते हुए उन्होंने 1970 के दशक में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच हुए एक मैच का किस्सा सुनाया। उन्होंने विराट कोहली का भी जिक्र किया, जिन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी है।

डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, "हमारे एयरफील्ड और लॉजिस्टिक्स को निशाना बनाना बहुत मुश्किल है। विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है, वह मेरे पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक हैं। 1970 के दशक में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एक मैच के दौरान, दो ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों जेफ थॉमसन और डेनिस लिली ने इंग्लैंड की बल्लेबाजी लाइनअप को नष्ट कर दिया था। बाद में, ऑस्ट्रेलिया ने एक कहावत गढ़ी – "एशेज टू एशेज, डस्ट टू डस्ट, अगर थॉमस नहीं, तो निश्चित रूप से लिली।" यदि आप परतों को देखेंगे, तो आप समझ जाएंगे कि मैं क्या कहने की कोशिश कर रहा हूं। भले ही आप सभी परतों को पार कर जाएं, इस ग्रिड सिस्टम की एक परत निश्चित रूप से आपको प्रभावित करेगी।

'पाकिस्तानी सेना ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को अपना मुद्दा बना लिया है'

एयर मार्शल एक भारती ने कहा, “हमारी लड़ाई आतंकवाद और आतंकवादियों के खिलाफ है। इसके लिए हमने आतंकी ठिकानों पर हमले किए। लेकिन पाकिस्तान ने आतंकवादियों का समर्थन करना सही समझा। इस वजह से पाकिस्तान ने इस लड़ाई को अपनी लड़ाई बना लिया। इसलिए उन्हें जवाब देना जरूरी था।” उन्होंने आगे कहा कि हमने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की। भारत की सुरक्षा व्यवस्था को भेदना असंभव है। पाकिस्तान की ओर से दागी गई चीनी मिसाइलें भी विफल हो गईं।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने इस अवसर पर कहा, “हमारे एयर डिफेंस ऑपरेशन को समझने की जरूरत है। पहलगाम तक उनके पाप का प्याला भरा हुआ है। हमने पहले से तैयारी कर रखी थी और कार्रवाई की गई।”

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, “पाकिस्तान के ड्रोन और हथियारों को नष्ट करने की कोशिशें विफल रहीं और बचे हुए ड्रोन को मार गिराया गया। मैं बीएसएफ की भी सराहना करना चाहता हूं। गश्त कर रहे जवानों ने हमारे ऑपरेशन में हिस्सा लिया और बहादुरी दिखाकर हमारा साथ दिया। इसकी वजह से पाकिस्तान की नापाक हरकतें नाकाम हो गईं।”

वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने कहा, “नौसेना का इस्तेमाल हवाई क्षेत्र सहित निरंतर निगरानी बनाए रखने के लिए किया गया था। नौसेना हवा, जमीन और सतह से एक साथ खतरों का पता लगाने में सक्षम थी। नौसेना निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने में सक्षम थी। हम कई सेंसर और इनपुट का प्रभावी ढंग से उपयोग करके निरंतर निगरानी बनाए रख रहे हैं। यही कारण है कि हम इन खतरों को बेअसर करने में सक्षम थे। हमने अधिकतम रडार का इस्तेमाल किया और सभी उड़ने वाली वस्तुओं पर नज़र रखी, चाहे वह ड्रोन हो या लड़ाकू जेट।”

उन्होंने कहा, “हमारे पायलट हमारे विमानों में दिन-रात काम करने में सक्षम हैं। किसी भी दुश्मन के विमान को हमारी सीमा से कुछ किलोमीटर भी नहीं आने दिया गया। कोई भी विमान सैकड़ों किलोमीटर के भीतर नहीं आ सकता था। हमने अपनी मिसाइल रोधी और विमान रोधी तकनीक को परखा। हमारे शक्तिशाली युद्धक विमान निडर होकर काम करने में सक्षम थे। इससे पाकिस्तान को पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। इसके कारण पाकिस्तान सीमा के पास रहने को मजबूर हुआ।”

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.